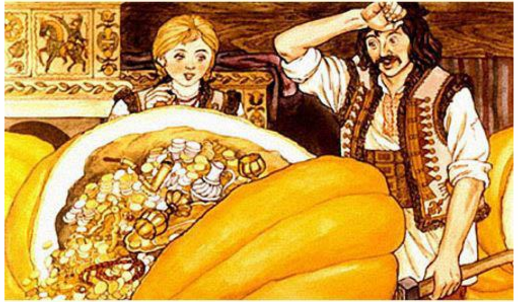
UKRANIAN FOLK TALE

यूक्रेनी लोक कथा



MAGIC PUMPKINS

जादुई कद्दू

चित्र: ओ. कोहल

हिंदी: अरविन्द गुप्ता



There were once two brothers who grew up in a poor family and knew nothing save need and want.

एक बार दो भाई थे जो एक गरीब परिवार में पले-बढ़े थे. वे अभाव और गर्दिश के अलावा और कुछ नहीं जानते थे.



The time came for them to marry, and Yura, the elder of the two, knowing that she was rich, took an old maid to wife while Mikhailo, the younger brother, married a poor young orphan.

जब उनकी शादी का समय आ गया, तो दोनों में से बड़े भाई यूरा ने, एक अमीर बूढ़ी महिला को पत्नी बनाया, जबकि छोटे भाई मिखाइलो ने एक गरीब युवा अनाथ लड़की से शादी की.



Luck ran against Mikhailo. He had only his bare hands to work the land with and was very poor indeed.

किस्मत ने मिखाइलो का साथ नहीं दिया. उसके पास काम करने के लिए केवल उसके हाथ थे. वो सच में बहुत गरीब था.



Before they married the brothers had been friends, but now their ways parted. One day they quarrelled, and Yura, who became very angry, told Mikhailo never to set foot in his house again.

शादी से पहले दोनों भाई दोस्त थे, लेकिन अब उनके रास्ते अलग हो गए. एक दिन उनमें झगड़ा हुआ. फिर यूरा, इतना गुस्सा हुआ कि उसने मिखाइलो से कहा कि वो उसके घर में फिर कभी कदम न रखे.



Spring came, and Mikhailo did not have enough seeds for even one vegetable bed. He thought of the coming winter and felt very sad and crestfallen.

वसंत आया, पर मिखाइलो के पास सब्जी बोने तक के लिए भी बीज नहीं थे. इसलिए वो आने वाली सर्दियों के बारे में सोचकर बहुत उदास और निराश हुआ.



"What shall I do, wife?" he asked her. "I'll have to go and ask Yura to help me."
"Go, husband," said the wife. "Who knows — perhaps he will be kind to you this time!"
His mind made up, Mikhailo went to see his brother. He came to his house and began telling him how badly things had turned out for him, but Yura refused to listen to him.
"Don't you remember what I told you? Get out of my house!" he shouted.

"मैं क्या करूं पत्नी?" उसने पूछा. "क्या मुझे यूरा से जाकर मदद मांगनी चाहिए?"

"ज़रूर जाओ," पत्नी ने कहा. "कौन जानता है - शायद वो इस बार तुम पर मेहरबान हो जाएं!"

फिर मिखाइलो ने अपना मन बनाया, और वो अपने भाई से मिलने गया. वो अपने भाई के घर गया और उसने उसे अपने बुरे हाल के बार में बताया. लेकिन यूरा ने उसकी एक बात नहीं मानी.

"क्या तुम्हें याद नहीं कि मैंने तुमसे क्या कहा था? मेरे घर से निकल जाओ!" वो चिल्लाया.



Mikhailo went home, and he was even more sad than before.
"Well, what did Yura say?" his wife asked him.
"He turned me out and would not give me even one little seed. So what are you and I going to plant, wife?"
"Don't worry, who knows how things may yet turn out!" his wife said, trying to comfort him.
Spring passed, and summer arrived.
Mikhailo's hut was small, but there were a great many swallows' nests under its roof.

मिखाइलो अपने घर वापिस चला गया. अब वो पहले से भी अधिक दुखी था.
"बताओ, यूरा ने क्या कहा?" उसकी पत्नी ने पूछा.
"उसने मुझे बाहर निकाल दिया और मुझे एक छोटा बीज तक नहीं दिया. अब बताओ कि हम सर्दियों के लिए क्या बोएंगे?"
"चिंता मत करो, क्या पता, चीजें अभी भी बदल सकती हैं!" उसकी पत्नी ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की.
वसंत बीत गया, और फिर ग्रीष्म ऋतु आई.
मिखाइलो की झोपड़ी छोटी थी, लेकिन उसकी छत के नीचे बड़ी संख्या में अबाबील (स्वालो) पक्षियों के घोंसले थे.



One day a gust of wind sent the baby birds toppling out of the nests and killed all save one of them.

एक दिन हवा के तेज़ झोंके ने पक्षियों के बच्चों को, घोंसलों से बाहर गिरा दिया और उनमें से एक को छोड़कर बाकी सभी मर गये.



The bird's leg was broken, and Mikhailo, who had seen the bird fall, picked it up, tied a little twig to the injured leg, bound it and wet the cloth with a few drops of milk.

एक पक्षी का पैर टूट गया था. मिखाइलो ने उस पक्षी को गिरते देखा. उसने उसे उठाया, और उसके घायल पैर पर एक छोटी सी टहनी बांधी, और उसे रुई में भिगोकर कुछ दूध की बूंदे पिलायीं.



When the leg healed, Mikhailo took the bird outside and set it free.

जब उसका पैर ठीक हुआ, तो मिखाइलो पक्षी को बाहर लाया और उसने उसे आज़ाद कर दिया.



Several days passed, and the little swallow returned. A pumpkin seed in its beak, it flew about near the hut and then dropped the seed at the door.

कई दिन बीत गए. एक दिन वो छोटा अबाबील (स्वालो) पक्षी वापस लौटकर आया. उसकी चोंच में एक कद्दू का बीज था. वो झोंपड़ी के पास उड़ता रहा और फिर उसने दरवाजे पर बीज गिरा दिया.



Mikhailo was overjoyed.

"Now we are real farmers!'' he cried. "We'll plant the seed and perhaps something will grow up out of it!"

मिखाइलो बहुत खुश हुआ.

''अब हम असली किसान हैं!'' वो चिल्लाया. ''अब हम उस बीज को बोएंगे फिर शायद उसमें से कुछ निकले!''



They planted the seed in their vegetable garden, and it soon gave forth shoots and then a vine and leaves. The vine grew longer and longer, it trailed over the ground, and then flowers appeared on it and, after them, the fruit.

उन्होंने अपने सब्जी के बगीचे में वो बीज बो दिया. उसमें जल्द ही अंकुर और फिर बेल और पत्तियां निकलीं. बेल लंबी होती गई, वो जमीन पर रेंगती रही, और फिर उसमें फूल निकले और उसके बाद फल लगे.



At the end of summer Mikhailo had three pumpkins in his garden, and so huge were they as had never before been seen.

गर्मियों के अंत में मिखाइलो के बगीचे में तीन कद्दू उगे थे. वे बहुत बड़े और विशाल थे. उसने इतने बड़े कद्दू पहले कभी नहीं देखे थे.



Said Mikhailo to his wife:

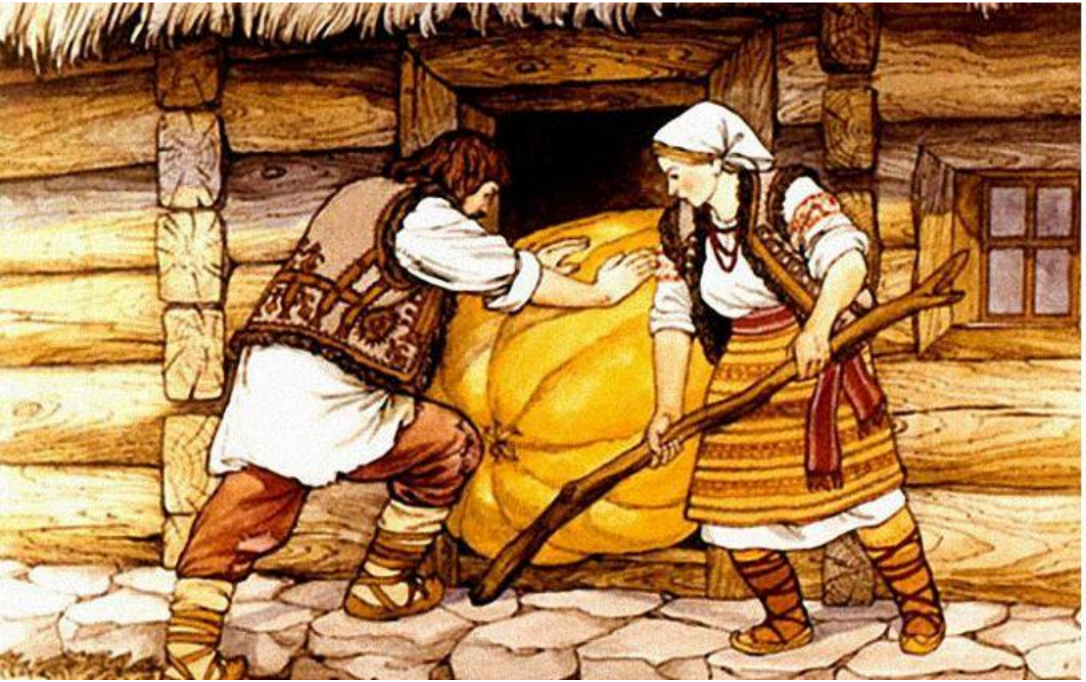
"Bring one of the pumpkins here, wife, and we'll cook and eat it."

"How can I do that?" the wife returned. "It's much too big for me to carry all by myself."

मिखाइलो ने अपनी पत्नी से कहा:

"एक कद्दू घर में ले आओ. हम उसे पकाकर खाएंगे."

"मैं वो काम नहीं कर पाऊंगी?" पत्नी लौटकर आई. "मेरे लिए उस बड़े कद्दू को अकेले लाना बहुत मुश्किल है."



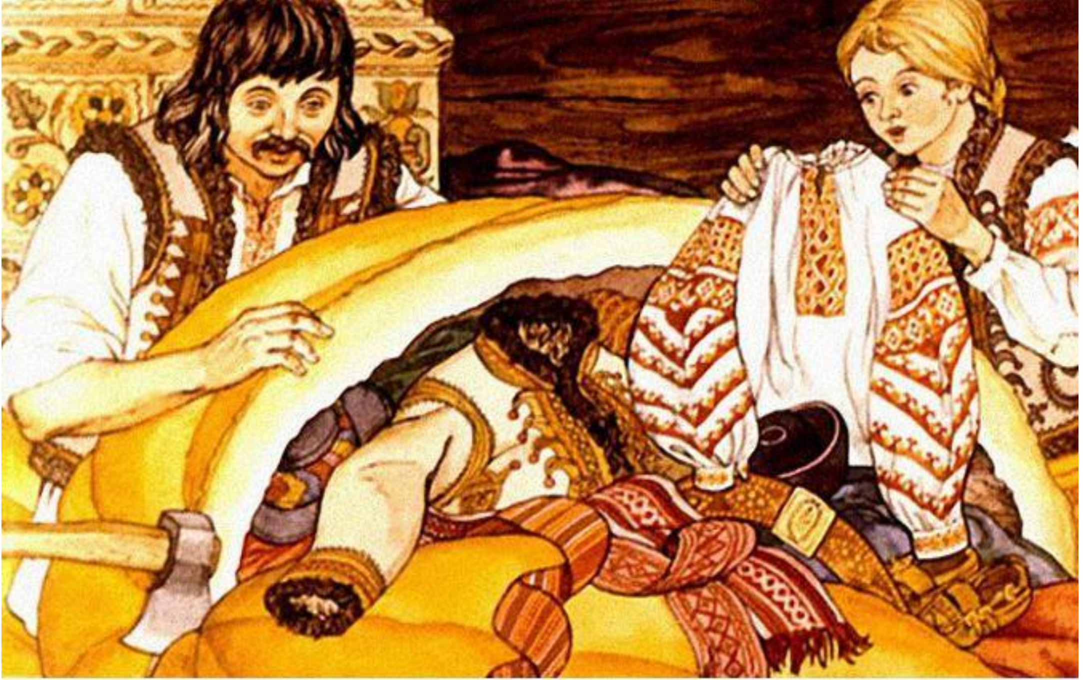
So, the two of them went to the vegetable garden together, and it was all they could do to carry the pumpkin into the hut.

फिर दोनों एक साथ बगीचे में गए. वे उस भारी और विशाल कद्दू को बड़ी मुश्किल से अपनी झोपड़ी में लाए.



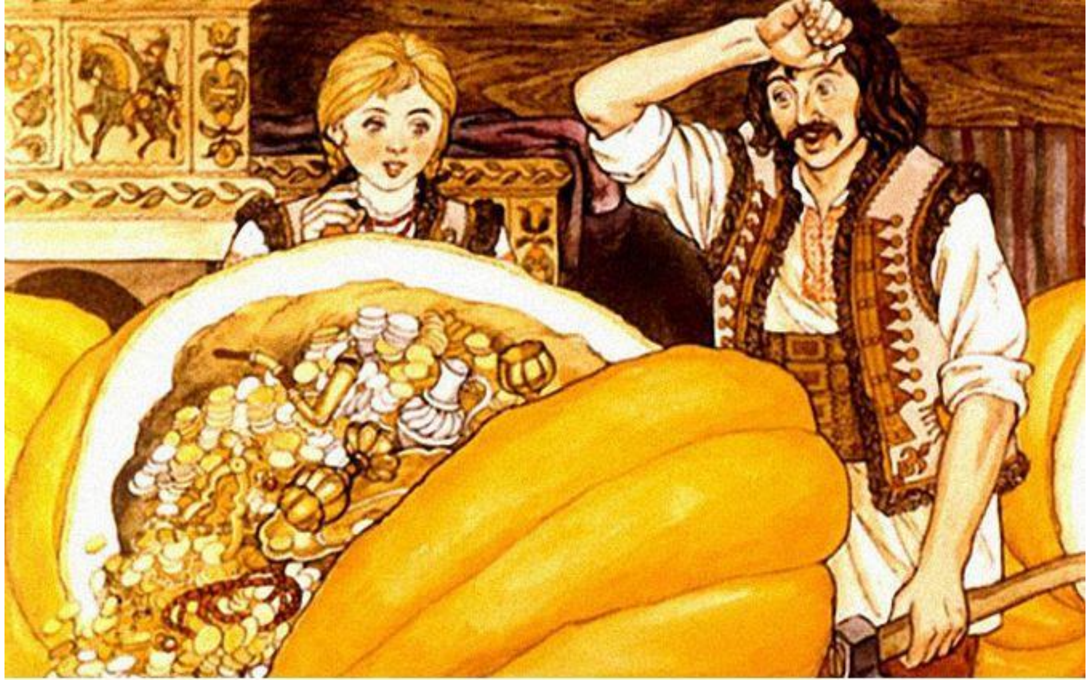
Mikhailo cut the pumpkin open with an axe, and lo! — there were all sorts of foods and drinks in it, enough to last him and his wife for many years.

मिखाइलो ने कद्दू को कुल्हाड़ी से काटा, और गज़ब! - उसमें तमाम प्रकार के खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ भरे थे, जो उसके और उसकी पत्नी के लिए कई वर्षों तक के लिए पर्याप्त थे.



They brought in the second pumpkin, and before Mikhailo had had time to cut it, it burst open of itself, and clothes of all kinds fell out, enough to dress the whole village.

फिर वे दूसरा कद्दू लाए. इससे पहले कि मिखाइलो उसे काटता, वो कद्दू अपने आप ही फट गया और उसमें से सभी प्रकार के कपड़े बाहर गिर पड़े. कपड़े पूरे गांव के पहनने के लिए पर्याप्त थे.



Mikhailo and his wife were eager to see what was in the third pumpkin, so they brought it into the house, and no sooner had Mikhailo struck it with his axe than out poured gold and silver coins, so many that there was no counting them!

अब मिखाइलो और उसकी पत्नी यह देखने को उत्सुक थे कि तीसरे कद्दू में क्या होगा. इसलिए वे उसे भी घर में लाए, और जैसे ही मिखाइलो ने अपनी कुल्हाड़ी से उस पर प्रहार किया, उसमें से सोने और चांदी के सिक्के गिर पड़े, इतने सारे कि वो उनकी गिनती नहीं कर पाए!



And so now the poor brother was no longer poor and did not need to ask his rich brother for anything anymore.

Now, Yura was envious of Mikhailo and wanted very much to learn how he had come to be so rich, so he said to his wife:

"Go to Mikhailo and ask him where he got his riches."

अब मिखाइलो गरीब नहीं रहा. अब उसे अपने अमीर भाई से कुछ भी मांगने की ज़रूरत नहीं थी.

अब, यूरा को मिखाइलो से ईर्ष्या होने लगी. वो यह जानना चाहता था कि उसका भाई इतना अमीर कैसे बना, इसलिए उसने अपनी पत्नी से कहा:

"मिखाइलो के घर जाओ और उससे पूछो कि उसे इतनी सारी संपत्ति कहां से मिली."



Mikhailo was out when Yura's wife came to see him. But his wife told her everything she wanted to know and did not keep anything back. She told her how the wind had swept the young swallows out of their nest, how her husband had cared for the injured bird and made it well again, how it had then brought them a seed and how three huge pumpkins had grown out of it.

जब यूरा की पत्नी मिलने आई तो मिखाइलो कहीं बाहर गया था. लेकिन मिखाइलो की पत्नी ने उसे वो सब कुछ बताया जो यूरा की पत्नी जानना चाहती थी और उसने उससे कुछ भी नहीं छिपाया. उसने बताया कि कैसे तेज़ हवा ने अबाबील के बच्चों को उनके घोंसले से बाहर धकेल दिया था, कैसे उसके पति ने घायल पक्षी की देखभाल की और उसे ठीक किया. फिर अबाबील का बच्चा उनके लिए एक बीज लाया और कैसे उसमें से तीन विशाल कद्दू उगे.



And Yura's wife went home and

passed it all on to her husband.

फिर यूरा की पत्नी अपने घर गई और

उसने वो सबकुछ अपने पति को बताया.



Spring came round again and it brought the swallows. They began building their nests and they built some under Yura's roof and laid eggs in them. In time, baby birds were hatched from them, and their piping filled the house.

वसंत फिर आया और अबाबील पक्षी लाया. उन्होंने अपने घोंसले बनाने शुरू कर दिए. उन्होंने यूरा की छत के नीचे भी कुछ घोंसले बनाए और उनमें अंडे दिए. समय के साथ, उनसे छोटे पक्षी पैदा हुए और उनके शोर से पूरा घर भर गया.



Yura waited for the wind, but no wind came, so, losing patience, he took a long stick and knocked the nests down.

यूरा ने तेज़ हवा का इंतजार किया, लेकिन कोई भी हवा का झोंका नहीं आया, इसलिए धैर्य खोते हुए, उसने एक लंबी छड़ी ली और अबाबील के घोंसलों को खुद गिरा दिया.



All save one of the nestlings were killed, and, seeing that its leg was broken, Yura took it into the house and cared for it.

एक बच्चे को छोड़कर बाकी सभी मारे गए.
और यह देखकर कि बचे पक्षी का पैर टूटा था,
यूरा उसे घर ले गया और उसने उसकी देखभाल की.



The injured leg healed, and

Yura set the nestling free.

घायल पैर जल्द ही ठीक हो गया और

फिर यूरा ने बच्चे को आज़ाद कर दिया.



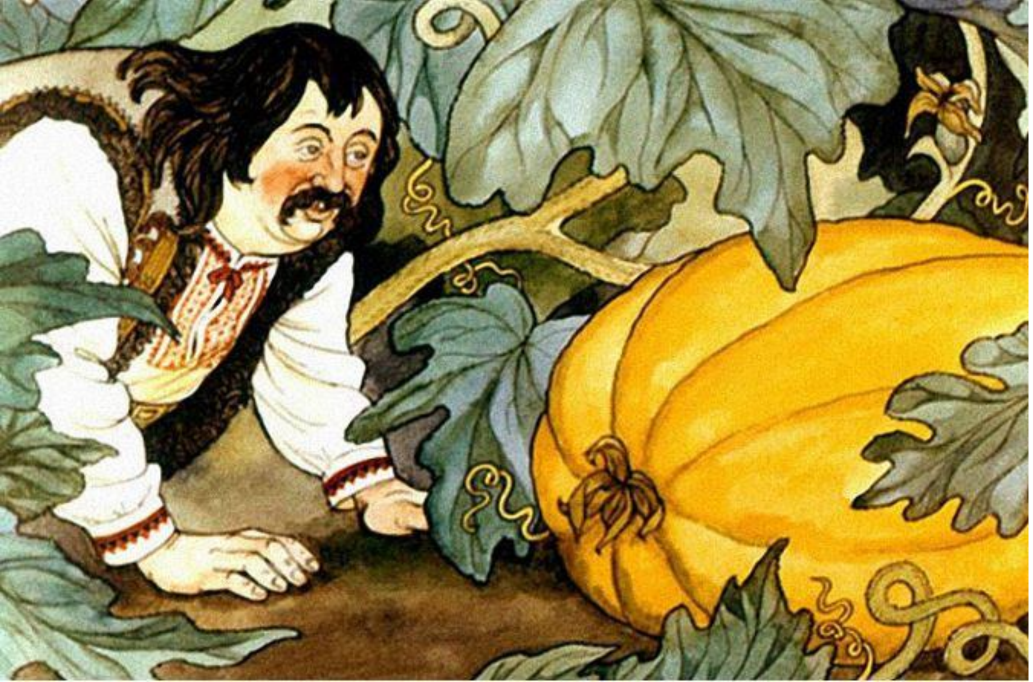
Some time went by, and the swallow brought Yura a seed.

कुछ समय बीता, और फिर अबाबील, यूरा के लिए एक बीज लेकर आया.



Yura was overjoyed and hurried with it to the vegetable garden. He and his wife planted the seed and waited eagerly for fortune to smile on them as it had on Mikhailo.

यूरा बहुत खुश हुआ और वो उसे जल्दी से बगीचे में ले गया. उसने और उनकी पत्नी ने वो बीज बोया और फिर बेसब्री से इंतजार किया. उन्हें लगा की भाग्य उन पर उसी तरह मुस्कुराएगा जैसे कि वो मिखाइलो पर मुस्कुराया था.



The seed gave forth shoots and then a vine and leaves, the vine trailed over the ground, but though many golden flowers opened up on it, it yielded only a single fruit.

बीज से अंकुर निकला और फिर एक बेल और पत्तियां निकलीं, बेल ज़मीन पर रेंगती रही. हालांकि उसमें कई सुनहरे फूल लगे, लेकिन उनमें से केवल एक में ही फल लगा.



This, however, did not dampen Yura's spirits and he could hardly wait for autumn to come. And he never left his garden day or night for fear that someone might steal his pumpkin.

लेकिन उससे यूरा का उत्साह कम नहीं हुआ और वो बड़ी मुश्किल से शरद ऋतु के आने का इंतज़ार कर सका. वो इस डर से दिन-रात अपने बगीचे की पहरेदारी करता था कि कहीं कोई उसका कद्दू चुराकर न ले जाए.



The pumpkin was ripe at last, and Yura and his wife brought it into the hut. But no sooner did Yura strike it with his axe than it broke in two, and a flame burst out of it.

आख़िरकार कद्दू पक गया, और यूरा और उसकी पत्नी उसे अपने घर में ले आए. लेकिन जैसे ही यूरा ने उस पर अपनी कुल्हाड़ी से वार किया, वो दो हिस्सों में टूट गया और उसमें से आग की लपटें बाहर निकलने लगीं.



The hut caught fire and burnt to the ground, and so did the barn and everything Yura and his wife had. The rich brother was rich no longer. But he was ashamed to ask for his younger brother's help, so he threw a sack over his shoulder and went roaming the world and begging for alms.

उससे झोपड़ी में आग लग गई और वो जलकर राख हो गई. इसी तरह खलिहान और यूरा और उसकी पत्नी का सारा सामान भी जलकर खाक हो गया. अमीर भाई अब अमीर नहीं रहा. लेकिन उसे अपने छोटे भाई से मदद मांगने में शर्म आई, इसलिए उसने अपने कंधे पर एक बोरा डाला और फिर दुनिया भर में घूमते हुए भीख मांगी.